IIM Raipur Celebrates 76th Republic Day with National Pride

OR

IIM Raipur Honors the 76th Republic Day with Grand Celebrations

Date: 26th January 2025
Place: Raipur

Article

The Indian Institute of Management Raipur celebrated the 76th Republic Day with great enthusiasm, embracing the theme 'Swarnim Bharat – Virasat aur Vikas' (Golden India – Heritage and Development). The occasion was marked by stirring speeches, captivating performances and a commitment to national service.

The event began with the unfurling of the national flag and was followed by an address by Prof. Ram Kumar Kakani, Director of IIM Raipur. He highlighted the story of Dr. Bhimrao Ramji Ambedkar, the architect of India's Constitution. He emphasised Dr. Ambedkar's unyielding determination and belief in the power of education. He mentioned, "his story teaches us the importance of social harmony, the power of education and the importance of resilience. His faith in Justice, Liberty, Equality and Fraternity continues to guide us towards success". Further, he advised students to contribute towards a stronger and more equitable India by striving for inclusivity and excellence.

Prof. Munmun Goswami, Professor HRM & Organizational Behaviour, delivered a powerful address wherein she elaborated on the theme of Swarnim Bharat – Virasat aur Vikas, specifying the symbiotic relationship between heritage and development. "India's growth does not only involve economic growth but towards a deep cultural growth," she mentioned. Prof. Goswami also shed light on the emerging use of advanced technologies like AI and Chatbots. She concluded her speech with an inspiring quote from Swami Vivekananda, "Let's Arise, Awake Until the Goal is Reached".

The event was concluded with cultural performances ranging from striking poetry to melodious singing and a vibrant dance performance by the students of IIM Raipur. It reflected the theme, showcasing the harmonious blend of India's cultural heritage and aspirations for development. Students and faculty expressed their gratitude for being a part of this historic occasion expressing a spirit of unity and national pride among everyone that resonated throughout the IIM Raipur campus.

About IIM Raipur:

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2024, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 14th in the MHRD-NIRF Business Ranking, securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.

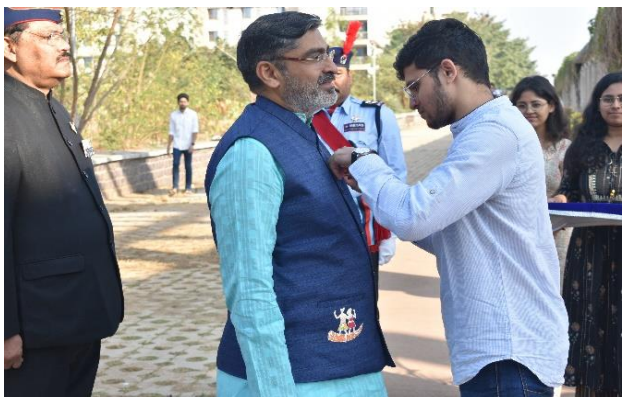

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT RAIPUR

Building Business Owners

भा.प्र.सं. रायपुर ने 76वें गणतंत्र दिवस को राष्ट्रीय गर्व के साथ मनाया

या

भा.प्र.सं. रायपुर ने भव्य समारोहों के साथ 76वें गणतंत्र दिवस का सम्मान किया

तिथि: 26 जनवरी 2025

स्थान: रायपुर

भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर ने 76वें गणतंत्र दिवस को उत्साह और जोश के साथ 'स्वर्णिम भारत – विरासत और विकास' थीम को अपनाते हुए मनाया। इस अवसर पर जोशीले भाषणों, मनमोहक प्रस्तुतियों और राष्ट्र सेवा के प्रति प्रतिबद्धता की भावना देखी गई।

समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, जिसके पश्चात भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनकी अटूट दृढ़ता और शिक्षा में उनके अटूट विश्वास को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "डॉ. अंबेडकर की कहानी हमें सामाजिक सद्भाव, शिक्षा की शक्ति और दृढ़ संकल्प का महत्व सिखाती है। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व में उनका विश्वास हमें सफलता की ओर मार्गदर्शन करता है।" प्रो. काकानी ने छात्रों को एक मजबूत और समावेशी भारत के निर्माण में उत्कृष्टता और समावेशिता के लिए योगदान देने की प्रेरणा दी।

एचआरएम और संगठनात्मक व्यवहार की प्रोफेसर, प्रो. मुनमुन गोस्वामी ने एक प्रभावशाली भाषण दिया, जिसमें उन्होंने 'स्वर्णिम भारत – विरासत और विकास' विषय पर चर्चा की और विरासत एवं विकास के बीच के गहरे संबंध को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, "भारत की वृद्धि केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक उन्नति की दिशा में भी अग्रसर है।"प्रो. गोस्वामी ने उभरती हुई प्रौद्योगिकियों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और चैटबॉट्स के उपयोग पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के प्रेरणादायक उद्धरण के साथ अपना भाषण समाप्त किया, "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।”

समारोह का समापन भा.प्र.सं. रायपुर के छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ, जिसमें सशक्त कविता पाठ, मधुर गायन और एक रंगारंग नृत्य प्रदर्शन शामिल था। इन प्रस्तुतियों ने भारत की सांस्कृतिक विरासत और विकास की आकांक्षाओं का सुंदर मिश्रण प्रस्तुत किया। छात्रों और संकाय सदस्यों ने इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनने पर आभार व्यक्त किया, जिससे पूरे भा.प्र.सं. रायपुर परिसर में एकता और राष्ट्रीय गर्व की भावना गूंज उठी।

भा.प्र.सं. रायपुर के बारे में:

2010 में स्थापित, भा.प्र.सं. रायपुर एक ऐसा संस्थान है जो गतिशील नेतृत्व को पोषित करता है और छात्रों को आवश्यक ज्ञान, अनुभव और अमूल्य संपर्क प्रदान करता है ताकि वे अपने-अपने व्यावसायिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें। हमारा संस्थान विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में 50 से अधिक विद्वान संकाय सदस्यों और देश के 700 से अधिक होनहार छात्रों की शक्ति से प्रेरित है। 2024 में, भा.प्र.सं. रायपुर ने उल्लेखनीय रैंकिंग हासिल की, जिसमें एमएचआरडी-एनआईआरएफ बिजनेस रैंकिंग में 14वां स्थान, सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान और आउटलुक-आईकेयर सूची में 8वां स्थान शामिल है।

छत्तीसगढ़ की राजधानी नया रायपुर के हृदय में स्थित, हमारा अत्याधुनिक परिसर आधुनिक वास्तुकला और छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और विरासत का एक अनूठा संयोजन प्रस्तुत करता है, जिससे छात्रों को एक प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण प्राप्त होता है।

अधिक जानकारी के लिए देखें:

www.iimraipur.ac.in